TOI PAGE 2

LU campus to come alive after 18 mnths

Classes To Be Held Amid Covid Norms

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Early morning sports practice for upcoming tournaments, rounds of the 'new arrivals' section in Tagore library, getting ready for practicals to chit-chat on the campus — all these activities will make the campus buzz again on Monday after almost 18 months.

LU will switch to offline classes completely for undergraduate, postgraduate and doctoral courses and online classes will only be held in case of request from students who are outstation or are unable to attend offline classes due to any reason.

Officials said Covid-19 norms would be strictly followed and no student would be allowed to enter campus or classroom without masks. The university will also instal foot-operated sanitizer dispensers at libraries, common rooms, hostels and laboratories.

"The seating arrangement in classrooms will be done as per Covid-19 safety norms. In lectures, where the strength of students is high, classes will be divided into sections. It will also be ensured that the campus and classrooms are sanitized at frequent intervals. The call on the reopening of canteens and cafeteria will be taken after a meeting," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

"From Monday, we will open a few canteens while following the government's Covid-19 safety norms which are applicable to restaurants and food outlets.

The call on reopening of all the canteens was not taken till the time of filing of this report.

CAMPUS BUZZ RETURNS TODAY

What's open for students

- Tagore library
- Department libraries
- Sports facilities
- Gymnasium
- Auditoriums
- Some of the canteens

RESTRICTED ENTRY | Students will not be allowed to sit in groups at Tagore lawns, Munshi Premchand Vatika, parks, Chhatrapati Shivaji Sports Stadium and outside departments

Academic work to continue on SLATE

LU's own learning management system, SLATE, especially prepared for online classes will be used for assignment submission and other academic work. "Teachers will continue to upload video lectures and conduct online tests. Submission of assignments and PowerPoint presentations will continue through SLATE," said dean, student welfare, Prof Poonam Tandon.

JAGRAN CITY PAGE I

कुलपति ने समस्याएं सुनीं, जलेबी खिलाई

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में रविवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय छात्रों से मिलने पहुंचे। उन्होंने डा. होमी जहांगीर भाभा छात्रावास के छात्रों की समस्याएं दूर करने का आश्वासन दिया, साथ ही छात्रों को जलेबी मंगवाकर खिलाई।

सुबह करीब 10.30 बजे कुलपति ने नवीन परिसर का निरीक्षण किया। उनके साथ अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.पूनम टंडन भी मौजूद रहीं। छात्रों ने उनसे बताया कि लाइब्रेरी का समय 10 से 5 बजे तक है, लेकिन 11 से 4.30 तक ही खुलती है। लाइब्रेरी की किताबों का नवीनीकरण नहीं हो रहा। वाटर कूलर खराब पड़े हैं। आरओ भी नहीं है। खाने की गुणवत्ता ठीक नहीं है। इसके अलावा छात्रों ने क्रीड़ा स्थल की सफाई, खेल-कूद के सामान की व्यवस्था करने, ओपन जिम शुरू कराने, फैकल्टी के शौचालय दुरुस्त कराने की भी मांग की। इस पर कुलपति ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द किया जाए।

छात्रों की समस्याएं सुनते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय (बाएं से पहले) ● सौ. विश्वविद्यालय

दो विद्यार्थी बने अफसर

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन भारतीय रिजर्व बैंक के डिपार्टमेंट आफ स्टैटिस्टिक्स एंड इंफार्मेशन मैनेजमेंट में हुआ है। इनमें शिवांगी मिश्रा और दिलीप कुमार वर्मा शामिल हैं। शिवांगी ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय से बीएससी और फिर एमएससी किया। दिलीप कुमार वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय से बीएससी, एमएससी के बाद जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ से बीटीसी की पढ़ाई भी की। (जासं)

PIONEER PAGE 3

एलयू कुलपति ने किया न्यू कैम्पस का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पिछले दिनों लखनाऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैम्पस में छात्रों के बवाल के बाद रविवार को विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने नवीन परिसर का दौरा किया। इस दौरान कुलपति छात्रों से भी मिले और उनकी समस्याओं को संज्ञान में लेने के साथ ही उन्हें दूर किये जाने का आश्वासन दिया। नवीन परिसर के दौरे के दौरान विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विधि छात्रों के छात्रावास डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा में छात्रों को संबोधित किया और उनके विभिन्न समस्याओं पर उनसे वार्ता भी की। छात्रों ने उनसे मेस में भोजन, पानी और फील्ड में बढ़ी हुई घास के बारे में बताया। जिस पर कुलपति ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान अवश्य किया जाएगा। उन्होंने वहां उपस्थित अधिकारियों को भी निर्देशित किया की सभी समस्याओं का निस्तारण शीघ्र से शीघ्र किया जाए। इस दौरान कुलपति ने सभी छात्रों को उनके अच्छे भविष्य के लिये शुभकामनाएं भी दीं।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

न्यू कैम्पस पहुंचे वीसी, समस्याओं के निस्तारण का दिया आश्वासन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैम्पस में पिछले कई दिनों से चल रहे बवाल और विरोध प्रदर्शन के बाद रविवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय मौके पर पहुंचे और छात्रों से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने द्वितीय परिसर के निरीक्षण के दौरान विधि छात्रों के छात्रावास डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा में छात्रों को संबोधित किया और उनके विभिन्न समस्याओं पर उनसे वार्ता भी की। छात्रों ने उनसे मेस में भोजन, पानी और फील्ड में बढ़ी हुई घास में बारे में बताया।

पिछले कई दिनों से चल रहा था विरोध प्रदर्शन और बवाल

एक हफ्ते पहले बदले गए थे हॉस्टल के प्रोवोस्ट

कुलपति ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान अवश्य किया जाएगा। उन्होंने वहां उपस्थित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण शीघ्र से शीघ्र किया जाए। कुलपति ने सभी छात्रों को उनके अच्छे भविष्य के लिये शुभकामनाएं दीं।

गौरतलब है कि न्यू कैम्पस में विभिन्न समस्याओं को लेकर छात्र आंदोलित थे वह असिस्टेंट प्रॉक्टर मोहम्मद अहमद को हटाने के लिए और डीन तथा उसके बेटे आयुष प्रताप सिंह पर कार्रवाई के लिए अभियान चलाए हुए थे। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने करीब एक हफ्ते पहले हॉस्टल के प्रोवोस्ट और असिस्टेंट प्रोवोस्ट को बदल दिया था लेकिन छात्र असिस्टेंट प्रॉक्टर को हटाने पर अड़े हुए थे।

HINDUSTAN PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग का शोध, इसरो ने विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन को दिया था प्रोजेक्ट

दावा : अंतरिक्ष में कार्बन और वॉटर आइस के मिलने से शुरू हुई जिंदगी

अध्ययन

लखनऊ | आंचल अवस्थी

ब्रह्मांड में जीवन की शुरुआत अंतरिक्ष में कार्बन और वॉटर आइस के मिलने से हुई। यह दावा है लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन का। दावा यह भी है कि यह अंतरिक्ष में जीवन की उत्पत्ति के सबसे संभव कारणों में से एक है। उनके इस दावे पर मुहर लगाने का काम किया है यूरोप के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के जरनल 'मंथली नोटिस ऑफ रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी' ने।

प्रो. पूनम टंडन

छात्र केशव सिंह

भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन को इसरो से 2015 में यह प्रोजेक्ट मिला था। खोज यह करनी थी कि जीवन का सबसे प्रमुख कारक माना जाने वाला अमीनो मेथेनॉल अंतरिक्ष जैसी ठंडी जगह में कैसे बना होगा। प्रोजेक्ट में प्रो. पूनम के साथ काम करने वाले शोध छात्र केशव सिंह के अनुसार तीन साल तक चले इस शोध में कई सवालों के जवाब तलाशे गए हैं। मसलन अमीनो एसिड और न्यूक्लिक एसिड जो जीवन के मुख्य कारक है, इनको बनाने वाले है। तीन साल तक चली रिसर्च में तीन पेपर तैयार किए गए। तीसरे पेपर में जो निष्कर्ष निकलकर आए, वे अमीनो एसिड के बिल्डिंग ब्लॉक के बनने की कहानी बताते हैं। केशव के अनुसार यहां की तरह स्पेस में भी बादल होते हैं, जिनमें वॉटर आइस पाई जाती है।

इस वॉटर आइस में अमोनिया होती है और स्पेस में कार्बन कण भी मौजूद होते हैं। इन कार्बन कणों के वॉटर आइस के साथ रिएक्शन से अमीनो मेथेनॉल बना, जो जीवन की उत्पत्ति की प्रमुख वजह बना।

पहले के निष्कर्ष स्पेस में संभव नहीं थे

केशव के अनुसार ऐसा नहीं है कि जीवन की उत्पत्ति के बारे में यह कोई पहला शोध है। अमीनो एसिड, न्यूक्लिक एसिड आदि बनने के पहले भी कई कारण बताए गए हैं लेकिन स्पेस में ऊर्जा न होने के कारण वे वहां पर संभव नहीं है। उनकी रिसर्च में जो निष्कर्ष निकले, वे वहां पर संभव हैं।

ऑक्सफोर्ड विवि प्रेस जरनल में प्रकाशित हुआ शोध

केशव ने बताया कि कोई भी शोध अपने 'इम्पैक्ट फैक्टर' से अच्छा या खराब माना जाता है। इस शोध का इम्पैक्ट फैक्टर 5 है, जो कि बहुत अधिक माना जाता है। इस पेपर को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के जरनल 'मंथली नोटिस ऑफ रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी' में प्रकाशित किया गया।

केमिकल अंतरिक्ष में मौजूद तो हैं लेकिन स्पेस के ठंडी जगह होने के कारण वहां ऊर्जा नहीं है। ऐसे में यह सवाल रहा कि अमीनो मेथेनॉल कैसे बना होगा। क्योंकि इस केमिकल के बिना जीवन संभव नहीं

AMRIT VICHAR PAGE 4

छात्रों की समस्याएं सुनते लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार।

न्यू कैंपस का कुलपति ने किया निरीक्षण, छात्रों की सुनीं समस्याएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने छात्रों के प्रदर्शन के बाद रविवार को जानकीपुरम न्यू कैंपस का पहली बार औचक निरीक्षण किया। न्यू कैम्पस में बीती चार और सात सितम्बर को छात्रों ने जमकर बवाल और प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन हॉस्टल की समस्याओं और खराब खाने को लेकर था। तभी से छात्र कुलपति से मिलने की मांग कर रहे थे। कुलपति ने रविवार को छात्रों से बातचीत भी की। वहीं छात्रों ने बातचीत में बताया कि कुलपति ने निरीक्षण जरूर किया लेकिन इस निरीक्षण में कोई हल नहीं निकलने वाला है। छात्रों ने इस दौरान कुलपति से मेस में भोजन की समस्या, पीने के लिए साफ पानी न मिलने, लाइब्रेरी न होने, मैदान में बढ़ी हुई घास, परिसर में गंदगी आदि के बारे में बताया। कुलपति ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान अवश्य किया जाएगा। उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि समस्याओं का निस्तारण शीघ्र किया जाए। बता दें कि न्यू कैम्पस में विभिन्न समस्याओं को लेकर छात्रों ने आंदोलन किया था। उनकी असिस्टेंट प्रॉक्टर मोहम्मद अहमद को हटाने और डीन लॉ व उनके बेटे आयुष प्रताप सिंह पर कार्रवाई की भी मांग की थी।